

२७/५

पकावली वकील आनन्द नाडू के मित्राल बलवी
 डाक्टरेट पर पेन हैं। वकील नाडी ने विद्वा डाक्टरेट
 पेन का विवेक किया कि उक्त नाडू में लकीरी
 खासिया रह गई थी जिसकी वजह से उक्त नाडू
 का विद्वा किया जाना (आवश्यक है) विद्वा डाक्टरेट
 के पकावली के उपलब्ध दस्तावेजों को उपलोक्य
 किया गया। विद्वा डाक्टरेट स्वीकार किया जाकर
 उक्त नाडू का विद्वा किया जाना है पकावली
 फैसल सुनार होकर कसब से कान होकर
 दाखिल दस्तवेज

दस्तावेज
 उपखण्ड अधिकारी, दातारामगढ